भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त परिषद)

# वानिकी समाचार

जूलाई 2025 वर्ष–17 सं. 07

महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा

## महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा

- श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने दिनांक 4 से 7 जुलाई 2025 तक भा.वा.अ.शि.प. –काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु का दौरा किया और संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा की। अपनी दौरे के दौरान, उन्होंने काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान पीन्या परिसर के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र और भा.वा.अ.शि.प. –का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के गोट्टीपुरा और नल्लाल फील्ड स्टेशनों का भी दौरा किया।

## वन महोत्सव

- दिनांक 1 से 7 जुलाई, 2025 तक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् एवं इसके अधीनस्थ केंद्रों द्वारा वन महोत्सव मनाया गया।

| अनुक्रमणिका | पृष्ठ सं. |
|---|---|
| महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा समीक्षा | 01 |
| वन महोत्सव | 01 |
| महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण | 02 |
| परामर्शी | 03 |
| कार्यशालाएं/सेमीनार/बैठकें | 03 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 06 |
| वन विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधिया | 08 |
| प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम | 08 |
| प्रदर्शनी में भागीदारी | 10 |
| मिशन लाईफ | 10 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 11 |
| समझौता ज्ञापन | 12 |
| राजभाषा गतिविधि | 13 |
| रेडियो/दूरदर्शन वार्ता | 13 |
| विविध | 13 |
| मानव संसाधन समाचार | 14 |
| प्रकाशन | 14 |

# महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण

## भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- एच. सुवेओलेंस के पत्तों से प्राप्त सगंध तेल की व्याकुलता–रोधी क्षमता का मूल्यांकन एलिवेटेड प्लस मेज़ (ईपीएम) परीक्षण के माध्यम से किया गया। तेल–उपचारित चूहों ने खुली भुजाओं में बिताए समय में वृद्धि तथा खुराक पर निर्भर तरीके व्याकुलता सूचकांक में कमी दर्ज की गई। **200 mg/kg** की खुराक पर, खुली भुजाओं में बिताया गया समय **134.00 ± 52.18** सेकंड रहा, जबकि व्याकुलता सूचकांक **0.548 ± 0.106** था। इसके विपरित, नियंत्रण समूह में यह मान **52.00 ± 20.88** सेकंड और **0.775±0.056** था। ये परिणाम एक महत्वपूर्ण व्याकुलता–रोधी प्रभाव का संकेत देते हैं, जिसमें उच्च खुराक का प्रभाव मानक व्याकुलताना ाक दवा डायज़ेपाम की प्रभावकारिता के करीब पाया गया। ओपन क्षेत्र परीक्षण में, हाई स्क्वायर ओलेंस ने अन्वेशणात्मक व्यवहार को प्रभावित किया, जहां उच्च खुराक पर चूहे एरिना के केंद्र में अधिक समय तक रहे और सक्रियता में वृद्धि दर्ज की। **200 mg/kg** की खुराक पर चूहों ने एरिना के केंद्र में **22.83 ± 6.09** सेकंड बिताए, जबकि नियंत्रण समूह यह समय **13.00 ± 2.16** सेकंड था। इसी तरह सक्रियता की औसत संख्या **10.33 ± 4.97** रही, जबकि नियंत्रण समूह में यह **3.50 ± 1.64** थी। यह व्यवहार चिंता–सदृश जैसे लक्षणों में कमी और अन्वेषणात्मक गतिविधि में वृद्धि को दर्शाता है।

- पिथौरागढ़ (400) और रुद्रप्रयाग (200) जिलों से टी. गोवानियानम पौधों के नमूने एकत्र किए गए। एकत्र किए गए नमूनों को चकराता क्षेत्रीय पौधशाला, देहरादून में प्रत्यारोपित किया गया। विभिन्न स्थानों से एकत्र किए गए टी. गोवानियानम प्रकंदों के आकारिकीय लक्षण वर्णन और पृथक्करण से प्रकंद निशान संख्या में भिन्नता देखी गई, यह संख्या ≤10 (किशोर प्रकंद) से लेकर लगभग 25 (परिपक्व प्रकंद) तक पाई गई। शीर्षस्थ क्षेत्रों के अलावा, दो विशिष्ट स्थानों – खलिया (मुनस्यारी, उत्तराखंड) और छाजपुर (हिमाचल प्रदेश) के प्रकंदों में विशिष्ट अपस्थानिक कलियाँ देखी गईं। *सैपोनिन* सामग्री का आकलन यूवी–विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक विधि का उपयोग करके किया गया, जिसमें डायोसजेनिन को मानक के रूप में प्रयोग किया गया। अवशोषण को λ 430 nm तरंग दैर्ध्य ($R^2 = 0.94$) पर दर्ज किया गया।

## भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान के उपग्रह केंद्र वन वृक्ष प्रजनन अनुसंधान केंद्र, चंदवा, लातेहार, झारखंड में स्थापित कैसुरीना के क्लोन परीक्षण में 36 महीने के रोपण के बाद कैसुरीना के क्लोन संख्या CH–5 ने अधिकतम उत्तरजीविता 86-11%, ऊंचाई 33 फीट और GBH (तना परिधि) 19-32 से.मी. तथा क्लोन CJ-9 ने उत्तरजीविता 84-02%, ऊंचाई 38-52 फीट और GBH 17.49 से.मी. दर्ज की गई।

## भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू

- ऊतक संवर्धन के माध्यम से उगाई गई विभिन्न बाँस प्रजातियों का एक प्रदर्शन प्लॉट नल्लल, होसाकोटे स्थित भा.वा.अ.शि.प.–क्षेत्र अनुसंधान केंद्र में स्थापित तथा अनुरक्षित किया गया।

- ऊतक संवर्धन के माध्यम उगाई गई चंदन की लकड़ी का एक प्रदर्शन भूखंड स्थापित किया गया तथा जीकेवीके परिसर, यूएएस, बेंगलुरु में उसे अनुरक्षित किया गया।

- 7.6 और 5% (w/v) सांद्रता वाला काष्ठ परिरक्षक सूत्रीकरण, जिसमें कॉपर सल्फेट, बोरेक्स, एमिन ऑक्साइड (डोडेसिल डाइमिथाइल एमिन ऑक्साइड) और प्रोपिकोनाज़ोल का 10:5:4:1 के अनुपात में उपयोग कर तैयार किया गया और इसे 2 सेमी$^3$ रबर काष्ठ के नमूनों में संसेचित किया गया और काष्ठ परिरक्षकों की अवधारण दर की गणना की गई। गणना की गई अवधारण दर क्रमशः 3.11, 3.63 और 5.3 किग्रा/मी$^3$ थी। सभी संसेचित काष्ठ के नमूनों को कवक परीक्षण के लिए रखा गया। परीक्षण के दो सप्ताह बाद, कवक ने नियंत्रण नमूनों पर प्रतिक्रिया किया तथा उपचारित नमूनों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं किया।

## भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

इम्फाल के लैंगोल संरक्षित वन (आरएफ) में सर्वेक्षण और आँकड़े एकत्र किए गए जिसमें, 63 वृक्ष प्रजातियां 57 झाड़ी और 34 जड़ी–बूटी प्रजातियां दर्ज की गई। संरक्षित वन क्षेत्र में वृक्षों की कुल भूमिगत बायौमास कार्बन का अनुमान लगाया गया, जो 14.93 से 98.25 मिलीग्राम/हेक्टेयर पाई गई।

दिनांक 22 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं रतन केंद्र, आइजॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में मिज़ोरम के 13 वन प्रभागों हेतु वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एफ.एस.एच.सी.) जारी किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट की एक टीम ने असम के गोलपारा वन प्रभाग का दौरा किया और साल वृक्षों में बड़े पैमाने पर पत्तियों के झड़ने की समस्या का निरीक्षण किया। भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं ने असम वन विभाग को साल वृक्षों में कीटों की समस्या की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक प्रबंधन उपायों पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी।

## परामर्शी

### भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, वर्षा

- "कुकुरकाटा संरक्षित वन, काज़ीरंगा राष्ट्रीय पार्क के सागौन बाहुल्य वनों में अधस्तरीय वनस्पति के रूप में स्वादिष्ट बांस की आवासीय

## कार्यशाला/सेमीनार/बैठकें

### भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | वन परिदृश्य पुनर्स्थापन के लिए प्रभाव पथ का डिज़ाइन | 14 से 15 जुलाई, 2025 | भा.वा.अ.शि.प., आई.सी.आई.एम.ओ.डी. और जी.आई.जेड. के 45 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय में 'वन परिदृश्य पुनर्स्थापन के लिए प्रभाव पथ की डिजाइनिंग' पर कार्यशाला

### भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | वन विस्तार हेतु रणनीतियां | 03 जुलाई 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून के वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, शोधकर्ताओं सहित 80 प्रतिभागी |

### भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वन प्रजातियों के आनुवंशिक सुधार में उभरती तकनीकियां | 9 से 11 जुलाई 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची के शोधार्थी और छात्र सहित 33 प्रतिभागी सम्मिलित थे। |

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में 'वन विस्तार की रणनीतियाँ' पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची में 'आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वन प्रजातियों के आनुवंशिक सुधार में उभरती तकनीक' पर कार्यशाला

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | |
| 4. | चारा (एआईसीआरपी–17), पॉपलर (एआईसीआरपी –25) और वन्य खाद्य फलों (एआईसीआरपी–27) पर तीन अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के एकीकृत शोध परिणामों का प्रसार | 17 जुलाई 2025 | वन अधिकारी, वैज्ञानिक, उद्यमी, पंचायत प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान सहित 97 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में "तीन एआईसीआर परियोजनाओं की परियोजना पूर्णता रिपोर्ट और एकीकृत अनुसंधान परिणामों के प्रसार" पर कार्यशाला

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | भारत के उत्तर–पश्चिमी हिमालय के शीत मरूस्थल में विलो: आनुवंशिक सुधार और जैव ऊर्जा संभावनाएँ | 31 जुलाई 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मी, परियोजना कर्मचारियों सहित 20 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू** | | |
| 6. | वृक्ष सुधार रणनीतियों में होलोजेनोमिक अंतर्दृष्टि को एकीकृत करना | 11 जुलाई 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मी सहित 25 प्रतिभागी |
| 7. | संस्थान–उद्योग–वन विभाग विचार–विमर्श वार्ता | 29 जुलाई 2025 | वन विभाग, उद्योग प्रतिनिधियों तथा किसानों सहित 80 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट** | | |
| 8. | मिज़ोरम के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड | 08 जुलाई 2025 | मिज़ोरम राज्य वन विभाग के 25 अधिकारी |
| 9. | पुनर्स्थापन प्रौद्योगिकी में पीजीपीआर का महत्व | 10 जुलाई 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और परियोजना कर्मियों सहित 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। |

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में 'मिजोरम के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड' पर बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में 'मिजोरम में 'तकनीकी पुनर्स्थापना में पीजीपीआर का महत्व' पर संगोष्ठी

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. | कैसुरीना बागानों में काष्ठ का उत्पादन को बढ़ाना | 08 जुलाई 2025 | मिज़ोरम राज्य वन विभाग के 25 अधिकारी |
| 11. | अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ तथा वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन | 24 से 25 जुलाई 2025 | परियोजना अन्वेषकों, काष्ठ आधारित उद्योगों, पौधशाला उत्पादकों और राज्य वन विभाग के प्रतिनिधियों सहित 267 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं, कोयंबटूर में 'कैसुरीना बागानों में काष्ठ उत्पादन बढ़ाने'पर बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं, कोयंबटूर में 'अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ एवं वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन' पर कार्यशाला

## भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12. | आई.सी.आई.सी.आई.–फाउंडेशन सीएसआर फंडिंग | 1 जुलाई 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि., हैदराबाद के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, परियोजना कर्मियों सहित 11 प्रतिभागी |
| 13. | ए.आई.सी.आर.पी. के निष्कर्षो का विस्तार तथा एफ.जी.आर. | 23 जुलाई 2025 | धन फाउंडेशन, डब्ल्यू.सी.टी.आर.ई., डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. और सिटीजन फोरम के अधिकारियों और छात्रों सहित 25 प्रतिभागी |

## भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 14. | ए.आई.सी.आर.पी. तथा एफ.जी.आर के निष्कर्षो का विस्तार | 31 जुलाई से 01 अगस्त 2025 | वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, हितधारकों, किसानों और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों सहित 88 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में "ए.आई.सी.आर.पी. और एफ.जी.आर. के निष्कर्षो का विस्तार" पर कार्यशाला

## प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट** | | | |
| 1. | बांस पर कौशल विकास उपयोगिता उत्पाद | 24 से 25 जुलाई 2025 | पश्चिम त्रिपुरा जिले से 20 प्रतिभागी |
| 2. | आजीविका सृजन हेतु अल्प लागत वाली कृमीखाद तकनीक | 21 जुलाई 2025 | त्रिपुरा के दक्षिण त्रिपुरा जिले के दालुचरा, कलाशी के स्वयं सहायता समूह सदस्यों, छात्रों तथा किसानों सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। |

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा "बांस उपयोगी उत्पादों पर कौशल विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा "आजीविका सृजन हेतु अल्प लागत वाली कृमीखाद तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | पूवोत्तर क्षेत्र के लोगो की आजिविका संबंधी समस्याओं के समाधान में वानिकी की भूमिका | 23 से 25 जुलाई 2025 | इसमें छात्रों, गैर सरकारी संस्था के सदस्यों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, इको क्लब सदस्यों, जन प्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों आदि सहित 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। |
| **भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | | |
| 4. | पैरा टैक्सोनॉमी – पौधों की क्षेत्रीय पहचान के लिए एक टैक्सोनॉमिक उपकरण | 25 से 26 जुलाई 2025 | भारतीय वन सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला के 35 क्षेत्रीय कार्मिक |
| **भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू** | | | |
| 5. | विनिरिंग प्रसंस्करण | 03 से 04 जुलाई 2025 | पीन्या, बेंगलुरु से चार उद्यमी |
| 6. | *मेलिया डुबिया* का उपयोग | 14 से 16 जुलाई 2025 | शोधकर्ताओं और काष्ठ आधारित उद्योगों के छात्रों और शिक्षाविदों सहित 30 प्रतिभागी |

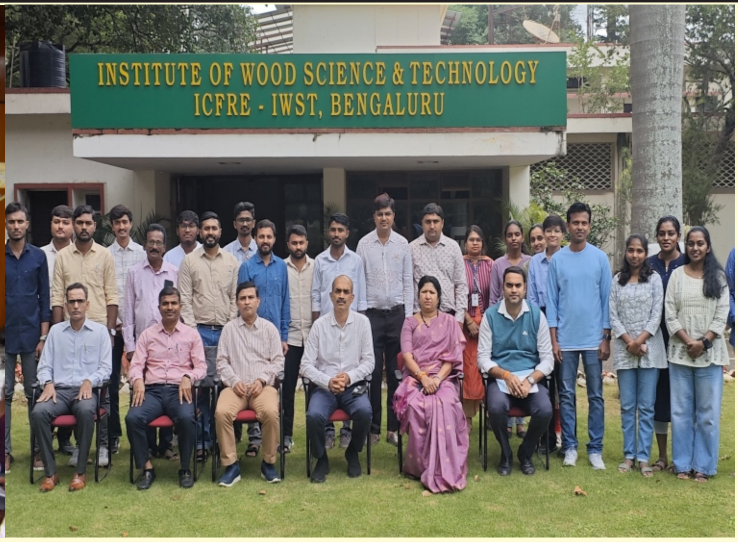


भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "*मेलिया दुबिया* के उपयोग" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | रेज़िन निर्माण और प्लाईवुड निर्माण | 14 से 18 जुलाई 2025 | प्लाईवुड उद्योंग के 10 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर** | | |
| 8. | गुणवक रोपण सामग्री उत्पादक | 04 जुलाई 2025 | जवाधु हिल्स, तिरुवन्नामलाई के 55 आदिवासी प्रतिभागी |
| 9. | देशी हरित वृक्षों के खाद का उपयोग करके लवण प्रभावित मृदा का पुनरूद्वार करना | 15 जुलाई 2025 | रथिनमपिल्लई पुदुर गांव, करूर के 20 कृषक |

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं, कोयंबटूर द्वारा "गुणवक रोपण सामग्री उत्पादक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं, कोयंबटूर द्वारा "वृक्षों के हतित खाद का उपयोग करके नमक प्रभावित मृदा का पुनरूद्वार करने" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. | बहु–कार्यात्मक कृषि वानिकी प्रणालियाँ: खाद्य–लकड़ी के बिच संतुलन सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता | 17 से 19 जुलाई 2025 | गैर सरकारी संगठनों और वृक्षारोपण संघ के 30 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद** | | |
| 11. | वन पौधशाला में गुणवक रोपण सामग्री उत्पादन | 28 से 30 जुलाई 2025 | हैदराबाद से 30 हितधारक |
| | **भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर** | | |
| 12. | लैंटाना आक्रमण: प्रबंधन, उपयोग और परिदृश्य पुनर्स्थापन की रणनीतियाँ | 02 से 03 जुलाई 2025 | राज्य वन विभाग, जबलपुर के 30 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी |

## वन विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधियाँ

### भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख और युवा क्लब, जगतसुख ने संयुक्त रूप से दिनांक 16 और 28 जुलाई 2025 को ग्राम पंचायत, जगतसुख के वन क्षेत्र में एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सेल्टिस ऑस्ट्रियल्स, क्वेरकस सेमेकार्पिफोलिया और सेड्रस देवदार के लगभग 400 पौधे लगाए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और राजकीय माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख ने जगतसुख में संयुक्त रूप से "पौधारोपण कार्यक्रम" का आयोजन किया

### भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची और वन विज्ञान केंद्र, सुकना ने संयुक्त रूप से दिनांक 02 जुलाई 2025 को दामगरा गाँव, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में 'सिलेज, वानिकी क्षेत्र के लिए एक अवसर: हर घर, सदाबहार हरा चारा' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में दामगरा गाँव के 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्हें 'हर मौसम में घरेलू पशुओं के लिए सिलेज उत्पादन और हरे चारे का उपयोग' विषय पर व्याख्यान भी दिया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने वीवीके, सुकना में दमगरा गांव, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में "साइलेज, वानिकी क्षेत्र के लिए एक अवसर हर घर, हर मौसम, हरा चारा" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

### भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 10 और 11 जुलाई 2025 को वन विज्ञान केंद्र, तेलंगाना में 'वन पौधशालाओं के नाशी कीट और उनके प्रबंधन एवं व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंधित पादपों की पौधशाला तकनीक' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना जिले की ग्राम पंचायत के कुल 96 अधिकारियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा "वन पौधशाला रोपण के नाशी कीट और उनके प्रबंधन तथा व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंधित पौधों की पौधशाला तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

### भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू

- दिनांक 29 जुलाई 2025 को केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, इरुवक्की, शिवमोग्गा में 'वानिकी एवं काष्ठ विज्ञान' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 150 छात्रों ने भाग लिया।

## जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

### भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- कर्नाटक वन विभाग अकादमी, धारवाड़ और तेलंगाना राज्य वन अकादमी, हैदराबाद के 74 वन रेंज अधिकारी प्रशिक्षुओं ने दिनांक 14 और 23 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.– शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्यान केंद्र, शीशम क्लोनों के वीएमजी, नीम पत्ती खाद और थार शोभा खेजड़ी वृक्ष परीक्षण केंद्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

कर्नाटक वन विभाग, धारवाड़ के वन रेंज प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

- दिनांक 24 जुलाई 2025 को राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ के प्राध्यापकों के साथ 18 विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्यान केंद्र, शीशम क्लोनों के वीएमजी, थार शोभा खेजड़ी परीक्षण और गुग्गुल परीक्षण केंद्रों का दौरा किया।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थी, छत्तीसगढ़ ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- श्री विद्या शंकर विज्ञान संस्थान, मचोहल्ली, बेंगलुरु के 75 छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 24 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संस्थान, बेंगलुरु के उन्नत काष्ठ कार्य प्रशिक्षण केंद्र स्थित काष्ठ संग्रहालय का दौरा किया।

## भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

मृत्युंजय महादेव किसान उत्पादक कंपनी, बोकाखाट, ईलुघाट, असम के 25 प्रतिभागियों ने दिनांक 07 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट की बांस पौधशाला, बांस वाटिका, बांस चारकोल उत्पादन इकाई का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

मृत्युंजय महादेव कृषकों के प्रतिभागी निर्माता कंपनी, बोकाखाट, ईलुघाट, असम भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

- चंद्र कमल बेजबरुआ कॉलेज, तेओक और बागवानी एवं वानिकी कॉलेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के 31 छात्रों ने अपने संकायों के साथ 14 और दिनांक 28 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। इस दौरान उन्हें बांस के विभिन्न पहलुओं और इसके अनुप्रयोग के बारे में जानकारी दी गई।

चंद्र कमल बेजबरुआ कॉलेज, तेओक के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

- कृषि विज्ञान केंद्र, शिवसागर के 24 प्रतिभागियों ने दिनांक 17 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट की बांस पौधशाला, बांसवाटिका और बांस चारकोल उत्पादन इकाई का दौरा किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, शिवसागर के प्रतिभागी भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- दिनांक 04 जुलाई 2025 को सी.ए.एफ.ओ.एस., कोयंबटूर के 33 ए.सी.एफ. प्रशिक्षुओं ने संकाय सदस्यों के भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के वनस्पति गुणन उद्यान का दौरा किया। इस दौरे के दौरान 'वृक्ष सुधार' पर व्याख्यान भी दिया गया।

- दिनांक 22 जुलाई 2025 को वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, मेट्टुपालयम, कोयंबटूर के 36 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया, इस दौरान उन्हें 'बीज संरक्षण एवं बीज प्रबंधन तकनीक' पर व्याख्यान भी दिया गया।

## भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कृषि विज्ञान विद्यालय के 55 छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 31 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

मल्ला रेड्डी कृषि विज्ञान विद्यालय, हैदराबाद के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- तेलंगाना वन अकादमी के 36 वन अनुसंधान अधिकारियों ने दिनांक 15 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

# प्रदर्शनी में भागीदारी

## भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने सांसा फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा दिनांक 3 से 5 जुलाई 2025 तक सरदार पटेल सेवा समाज कार्यालय, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में आयोजित 'समृद्ध गुजरात' प्रदर्शनी में भाग लिया और अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर ने सरदार पटेल सेवा समाज कार्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 'समृद्ध गुजरात' कार्यक्रम में भाग लिया

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर ने सी.ओ.डी.आई.एस.एस.आई.ए., कोयंबटूर द्वारा आयोजित 'एग्री इंटेक्स 2025' व्यापार मेले में भाग लिया और अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया। यह मेला दिनांक 10 से 14 जुलाई तक सी.ओ.डी.आई.एस.एस.आई.ए. व्यापार मेला परिसर, कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित किया गया था।

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित सी.ओ.डी.आई.एस.एस.आई.ए. व्यापार मेला परिसर में "एग्री इंटेक्स–2025" में भाग लिया।

# मिशन लाईफ

## भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- दिनांक 16 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में आगंतुकों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के पर्यावरणीय और व्यक्तिगत लाभों के बारे में जागरूक किया जा सके।

## भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 17, 19 और 31 जुलाई 2025 को हैदराबाद के सुरुराम और वायुपुत्र कॉलोनी में 'स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, ऊर्जा बचाएं, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करें और अपशिष्ट कम फैलाएं' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों और सुरुराम के आसपास के क्षेत्र के लोगों सहित 77 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा "स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ, ऊर्जा बचाएँ, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करें तथा अपशिष्ट कम फैलाएं" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम ने दिनांक 11, 16 और 18 जुलाई 2025 को आरके बीच, जी.वी.एम.सी., स्मार्ट सिटी पार्क और बीच रोड बस स्टॉप, विशाखापत्तनम में "ऊर्जा की बचत, ई–कचरा कम करना, पानी की बचत और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करना" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम द्वारा "ऊर्जा की बचत, ई–कचरे में कमी, जल की बचत और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग में कमी" पर जागरूकता कार्यक्रम

## प्रकृति कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 23 से 25 जुलाई 2025 तक वन अनुसंधान संस्थान परिसर में 'पौधशाला एवं बीज तकनीकी' पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय, व.अ.सं., देहरादून के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।

## भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने दिनांक 11 और 15 जुलाई 2025 को केंद्रीय विद्यालय, मंडोर और केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, ए.एफ.एस., जोधपुर में 'पौधा रोपण तकनीक एवं प्रारंभिक देखभाल' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने व्यावहारिक गतिविधियों में भी भाग लिया और पौधशाला तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की।

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा "पौध रोपण तकनीक एवं प्रारंभिक देखभाल" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- श्री चौतन्य टेक्नो स्कूल, झालामंड, जोधपुर के शिक्षकों के साथ 95 छात्रों ने दिनांक 16 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के व्याखान केंद्र, बीज भंडारण कक्ष, केंद्रीय प्रयोगशाला और शीशम क्लोनों के वीएमजी और नीम पत्ती खाद गड्ढों का दौरा किया। इस दौरे के दौरान छात्रों को बीज भंडारण, जैव उर्वरकों, राइजोबियम और प्रयोगशाला में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई।

श्री चौतन्य टेक्नो स्कूल के छात्र, झालामंड, जोधपुर ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- किंग क्राइस्ट स्कूल, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी, शिव सागर, जोरहाट और असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, रैरिया, जोरहाट के 380 छात्रों ने शिक्षकों के साथ दिनांक 10, 15, 16, 17, 18, 21 और 22 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प–वर्षा वन अनुसंधालन संस्थान, जोरहाट के बांस संग्रहालय, कीटशाला, बांस पौधशाला, बांस वाटिका, बांस चारकोल एवं संरक्षण इकाई का दौरा किया। इस दौरान छात्रों को बांस की खेती, प्रसार, नर्सरी प्रबंधन, मूल्य संवर्धन तथा बांस संरक्षण तकनीकों, बांस चारकोल निर्माण, लाख की खेती और कृमीखाद, अगर रोपण और कृत्रिम टीकाकरण के बारे में जानकारी दी गई।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय ओएनजीसी के छात्र, शिव सागर, जोरहाट ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- सच्चिदानंद ज्योति निकेतन स्कूल, कल्लर विबग्योर सी.बी.एस.ई. हाई स्कूल, कोयंबटूर, विद्या विश्वालय ग्लोबल स्कूल ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, कॉर्पोरेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, एल्गी स्कूल, द इंडियन पब्लिक स्कूल, डॉब्स पब्लिक स्कूल और कॉर्पोरेशन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, कोयंबटूर के 722 छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ दिनांक 02, 04, 08, 11, 14, 17, 18 और 25 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया। इस दौरान उन्हें राष्ट्रीय उद्यानों और हमारे स्वास्थ्य के लिए उनके महत्व, अल्पाइन वन, एक स्वस्थ ग्रह को बनाए रखने में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका, पुष्प विविधता, पक्षियों का प्रवास, शहरी पारितंत्र, पृथ्वी के वायु प्रणाली और वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर व्याख्यान भी दिए गए।

श्री नेशनल पब्लिक स्कूल, गोबिचेट्टीपलायम के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया।

## भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 25 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री श्री केंद्रीय विद्यालय संगठन, बोवेनपल्ली, हैदराबाद में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण गतिविधि भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय संगठन, बोवेनपल्ली, हैदराबाद में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

## समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने अनुसंधान सहयोग के लिए दिनांक 24 जुलाई 2025 को आई.सी.ए.आर.–राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट और आई.सी.ए.आर.–राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

## राजभाषा गतिविधि

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने यूको बैंक, जोरहाट के सहयोग से दिनांक 4 जुलाई 2025 को "कंठस्थ 2.0 अनुवाद टूल" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में जोरहाट के विभिन्न केंद्रीय सरकारी विभागों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट और यूको बैंक, जोरहाट ने संयुक्त रूप से "कंठस्थ 2.0" पर कार्यशाला का आयोजन किया।

- भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने दिनांक 14 से 16 जुलाई 2025 तक 'मैन्युअल रूप से ई–टूल्स का प्रयुक्त करके टिप्पण एवं आलेखन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद के अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और परियोजना कर्मचारियों सहित 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा "मैन्युअल रूप से ई–टूल्स का प्रयुक्त करके टिप्पण एवं आलेखन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

## रेडियो/दूरदर्शन वार्ता

- श्री राजर्षि भट्टाचार्य, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प. –वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने दिनांक 3 जुलाई 2025 को ऑल इंडिया रेडियो, डिब्रुगढ़ में 'सुषोमा बसुंधोरा' नामक कार्यक्रम के लिए असमिया भाषा में 'कृमी संवर्धनः तैयारी एवं कार्यान्वयन' विषय पर रेडियो वार्ता रिकॉर्ड की, जो कि सतत आजीविका पर एक दूरदर्शी कार्यक्रम है।

## विविध

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने अपोलो एक्सेल केयर अस्पताल, पचिम बोरागांव, गुवाहाटी, असम के सहयोग से दिनांक 17 जुलाई 2025 को संयुक्त रूप से एक "स्वस्थ स्वास्थ्य जांच शिविर" का आयोजन किया। शिविर में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 31 जुलाई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के देववन परिसर में एक पक्षी अवलोकन सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के 19 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, 19 पक्षी प्रजातियों की पहचान की गई और उनकी जाँच सूची ई–बर्ड प्लेटफ़ॉर्म पर अपलोड की गई।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने संस्थान के देववन परिसर में "पक्षी अवलोकन सत्र" का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम और आईसीएआर–सीएमएफआरआई, केरल ने संयुक्त रूप से दिनांक 26 जुलाई 2025 को विशाखापत्तनम के भीमिली में गोस्थानी नदी संगम पर विश्व मैंग्रोव दिवस मनाया।

भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम और आईसीएआर–सीएमएफआरआई, केरल ने संयुक्त रूप से "विश्व मैंग्रोव दिवस" मनाया

## मानव संसाधन समाचार

### सेवानिवृत्ति:

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्रीमती ममता मेश्राम, वैज्ञानिक–सी, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं, जबलपुर | 31.07.2025 |
| डॉ. प्रशांत हजारिका, मु.त.अ., भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं, जोरहाट | 31.07.2025 |
| श्री मुहिबुल हुसैन, मु.त.अ., भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं, जबलपुर | 31.07.2025 |
| श्री चमन लाल, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं, जोधपुर | 31.07.2025 |
| श्री स्वरूप अहरवार, निजी सचिव, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं, जबलपुर | 31.07.2025 |

### पदोन्नति:

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्रीमती संतोष जमालता , पुस्तकालय सूचना सहायक, भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर पदोन्नत | 23.07.2025 |

## प्रकाशन

### शोध पत्र:

- थियाहराजन, एम., कुमार, एस., नेगी, ए., पाण्डेय, आर., और कुमार, वी. (2025)। भारत में काष्ठ एवं काष्ठ के उत्पादों के निर्यात और आयात का पूर्वानुमान और घटक। भारतीय काष्ठ विज्ञान अकादमी जर्नल, 1–10।
- सेमवाल, ए., गौतम, के., भट्ट, एम., यादव, आर., बर्थवाल, एस., और सिंह, एच. (2025)। धातु नैनोकणों (एमएनपी) का हरित संश्लेषण और अनुप्रयोगः काष्ठ को फफूंद तथा दीमक के क्षय से बचाने की एक स्थायी रणनीति। नेक्स्ट मैटेरियल्स, 9, 100962।
- खन्ना राधिका, पाण्डेय, गौरव, बर्थवाल संतन, गिनवाल हरीश सिंह और वार्ष्णेय, वी.के. (2025)। टर्मिनलिया अर्जुन से ट्राइटरपेनोइड्स की फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग, पृथक्करण, लक्षण वर्णन और परिमाणीकरणः एचपीएलसी और सांख्यिकीय विश्लेषण का उपयोग करते हुए एक बहु–स्थानीय अध्ययन। जे. क्रोमैटोग्राफिक साइंस, 63, 6, bmaf042। https://doi.org/10.1093/chromsci/bmaf042.
- कुमार, ए., कंवल, के.एस., पॉल, एस. और वर्मा, आर.के. (2025)। भारत के उत्तर–पश्चिमी हिमालय में तलरा वन्यजीव अभयारण्य में शंकुधारी और चौड़ी पत्ती वाले वनों का बायोमास और कार्बन स्टॉक। फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट्स एंड ग्लोबल चेंज, 8,1566614।
- भट्ट, ए., जिष्टु वी., त्रिपाठी, वाई.सी. और वार्ष्णेय, वी.के. (2025)। जंगली अनार के छिलकों से प्राकृतिक रंग निष्कर्षण का अनुकूलन। फाइटोटोक्स। 2025; 2(2): 311–317।
- पाण्डेय, वी.वी., कंथोला सी., कुमार, एम. और पाण्डेय ए. (2025)। स्पोरोफोर की मालाः जड़ सड़न रोगज़नक़ गैनोडर्मा ल्यूसिडम की एक कम देखी जाने वाली प्रक्रिया। एशियन जूनियर ऑफ माइक्रोबायोल. बायोटेक. एनवायरनमेंटल साइंस. खंड 27, अंक (3–4): 2025: 306–307. क्व डीओआई संख्याः No.: http://doi.org/10.53550/AJMBES.2025.v27i03-04.026
- बैग, एस. (2025). तुलसीरू युगों से औषधीय जड़ी–बूटियों की रानी। वान सांग्यान, 12(5), 19–27. भोई, टी. के., महंत, डी. के., सामल, आई., राज, एम. एन., और कोमल, जे. (2025)। भूमिगत दीमकों के जैविक नियंत्रण के लिए डालबर्गिया सिस्सू के पौधों में मेटाराइज़ियम एनिसोप्लिया और ब्यूवेरिया बेसियाना की विषाणुता और अंतःपादप उपनिवेशण का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी, 46(4), 583–588। http://doi.org/10.22438/jeb/46/4/MRN-5516
- दिवाकर बी.एन., मारुति शंकर जी.आर. (2025). कर्नाटक, भारत में वृक्ष वृद्धि और मृदा उर्वरता मापदंडों में परिवर्तनशीलता के आधार पर चंदन (सैंटालम एल्बम एल.) की खेती के लिए कृषि–जलवायु क्षेत्रों की श्रेष्ठता का सांख्यिकीय मूल्यांकन, प्रीप्रिंट रिसर्च स्क्वायर पर उपलब्ध है। https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-6951024/v1

- स्नेहा, एम. वी., प्रबुद्ध, एच. आर., दिवाकर, बी. एन., मधुश्री, ए. एच., और कुमार, के. एस. (2025)। बहुरूपी एसएसआर चिन्हकों की पहचान उनकी क्रॉस–ट्रांसफरेबिलिटी तथा टेरोकार्पस प्रजातियों में आनुवंशिक विविधता की जाँच। इंडियन जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, 85(02), 317–320।
- पी, शुभा, रश्मिश्री एस, ट्रेसा हैमल्टन, अल्मास खन्नाम, और ज्योत्सना बी एस. 2025. संताल एल्बम लिन के एनकैप्सुलेटेड सोमैटिक भ्रूणों का भंडारणः इन विट्रो संरक्षण और बड़े पैमाने पर उत्पादन की दिशा में प्रगति। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 28 (8): 19–26। https://doi.org/10.9734/jabb/2025/v28i82679
- मेहता, एम., देवगिरी, जी.एम., सतीश, बी.एन., नायक, बी.जी., रविकुमार, डी. और मोरन, ए. (2025)। कृषि वानिकी पद्धतियों में जैवभार और कार्बन स्टॉक आकलनः भारत के कर्नाटक के दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र में एक अध्ययन। इंडियन फॉरेस्टर, 151(6):540–545।
- दासगुप्ता, पी., और दास, डी. जे. (2025)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में वन प्रकार, बायोमास और कार्बन गतिकीरू एक व्यापक समीक्षा। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 43(2), 510–521. https://doi-org/10.60151/envec/XQOE5071
- भूटिया, पी. एल., इस्लाम, एस., पाल, एस., कौशल, आर., पंवार, पी., कुमार, एम., कुमार, डी., यादव, आर. पी., भूटिया, के. जी., सिंह, एन. आर., सिंह, एम. और खोला, ओ. पी. एस. (2025)। शिवालिक तलहटी में उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन में प्रमुख झाड़ी प्रजातियों के भूमि के ऊपर जैवभार और कार्बन स्टॉक के आकलन के लिए ऐलोमेट्रिक मॉडल। भारत। पर्यावरण और स्थिरता संकेतक, 27:100795। https://doi.org/10.1016 /j.indic.2025.100795.
- गर्ग, एन.के., मीना, एन.एल., प्रजापत, आर.के., माथुर, एम., परवान, एस., और तारिया, एस. (2025)। फाइटोमेलाटोनिनरू पौधों में विकास और तनाव से सुरक्षा का नियमन। चिराग माहेश्वरी, मुजफ्फरहसन और एम. इकबाल आर. खान (सं.), फाइटोमेलाटोनिन जीवविज्ञान इष्टतम/पर्यावरणीय तनावों/जैविक हस्तक्षेपों के तहत पौधों की वृद्धि और विकास के नियमन में एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 179–215)। सीआरसी प्रेस।
- बेरी एन. और कुमार पी. (2025).: आईएसएसएन:0972–5210 महाराष्ट्र, भारत के किसानों के खेतों में मौजूद चंदन आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के तहत द्वितीयक मेजबानों के साथ सैंटलम एल्बम का विकास प्रदर्शन प्लांट आर्काइव्स अंक 25, पूरक 2, पृष्ठ सं. 588–591 और ऑनलाइन ई–आईएसएसएन :2581–6063 (ऑनलाइन)।
- बेरी एन., रागुला ए. और रे एम.ए. (2025) छत्तीसगढ़ वन प्रभागों, भारत में वितरित आर्थिक रूप से मूल्यवान संकटग्रस्त इमारती लकड़ी प्रजातियों का जनसंख्या आकलन। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन जर्नलः (पूर्व नामः ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज 15, 6, 138-156, 2025; ISSN: 2581-8627 ISSN: 2231-4784).
- बनर्जी एस.के., झा टी.के., बनर्जी एस. (2025) दक्षिण पश्चिम बंगाल के लैटेराइट वन क्षेत्र के कुछ पारिस्थितिक पहलू जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल फॉरेस्ट वॉल्यूम 40 (3 और 4) पृष्ठ संख्या 80–99।


## लोकप्रिय लेखः

- माला राठौर (2025), "बेड़ूःहिमालयी क्षेत्र की एक बहुमूल्य वृक्ष", तरुचिंतन, पृ.सं. 19.
- दुष्यंत कुमार ने पांगी हिमालय सैट में सुराल भटोरी–सेरेन स्पलेंडर शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया https://in-pangi-himalayas/167014/dated 17 July, 2025

## ब्रोशर/पर्चे/पोस्टर/चार्ट/विस्तार सामग्रीः

- "गोल काष्ठ तथा बांस के लिए माइक्रोवेव वैक्यूम ड्रायर" और "वैक्यूम भट्ठी सुखाने बनाम संवहनी भट्ठी सुखानेः बांस के लिए सबसे अच्छा क्या काम करता है" पर दो ब्रोशर।
- मरूस्थलीकरण से निपटने और आजीविका संवर्धन के लिए एआईसीआरपी–24 पहल के तहत शुष्क भूमि को हरा–भरा बनाने पर पैम्फलेट एफजीआर के तहत वन से बीज बैंक परियोजना के परिणाम के विस्तार के लिए तैयार किया गया।
- कैम्पा ए.आई.सी.आर.पी. 20 के अंतर्गत "सतत कीट प्रबंधन के लिए वृक्ष जनित तेल बीजों और पौधों से पर्यावरण अनुकूल जैव कीटनाशकों" पर प्रशिक्षण मैनुअल।
- कैम्पा एआईसीआरपी 20 के अंतर्गत "सतत कीट प्रबंधन हेतु वृक्षों के तैलीय बीजों एवं पौधों से प्राप्त पर्यावरण हितैशी जैव कीटनाशक" पर एक पैम्फलेट।
- एआईसीआरपी–3 के लिए ऊतक संवर्धन के माध्यम से चंदन की गुणवक रोपण सामग्री का उत्पादन तैयार किया गया।


**संरक्षकः**

श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

**संपादक मंडलः**

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

**हिन्दी संस्करणः**

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

**सहायकः**

श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

**प्रत्याख्यान**

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।